विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में खुलासा

पांच वर्ष से कम उम्र के 14.9 करोड़ बच्चे स्टंटेड ग्रोथ से पीड़ित

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

बचपन एक ऐसा समय होता है जब बच्चों में सबसे तेजी से वृद्धि और विकास होता है, लेकिन विभिन्न कारणों से कुछ बच्चों के विकास में देरी देखी जा सकती है। ऐसे में बच्चों के माता-पिता अक्सर अनिश्चितता की भावना से गुजरते हैं कि क्या वजह है कि उनके बच्चे में अपेक्षा के अनुसार विकास नहीं हो रहा है और कभी-कभी यह उनके लिए बेहद चिंताजनक हो सकता है। अवरुद्ध विकास (स्टंटेड ग्रोथ) या तो अपर्याप्त पोषण के कारण होती है, जिसकी वजह से वृद्धि से जुड़ी समस्या, गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं, या फिर पर्यावरण से जुड़े कारकों की वजह से भी ऐसा हो सकता है।

आज पूरे विश्व में पांच वर्ष से कम उम्र के ऐसे 149 मिलियन (14.9 करोड़) बच्चे हैं, जो स्टंटेड ग्रोथ से पीड़ित हैं। दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट यह दर्शाती है कि भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के 40.6 मिलियन (4.6 करोड़) बच्चे अवरुद्ध विकास से पीड़ित हैं जो पूरी दुनिया में अवरुद्ध विकास से पीड़ित बच्चों की संख्या का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। डॉ. पंकज पारेख, एमडी पीडियाट्रिक्स और डीसीएच, सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल कहते हैं।

संपूर्ण विकास में सहायता के लिए बच्चों को एक संतुलित आहार दें जिसमें रोजाना अनाज, दालें, दूध, मांस, फल और सब्जियां शामिल करें। यह आहार सुनिश्चित करेगा कि हड्डियों के सेहतमंद विकास के लिए आपके बच्चे को आवश्यक प्रोटिन, विटामिन्स और खनिज प्राप्त होते रहें।